रैटून विधि से प्राप्त करे केले की वर्ष मे तीन फसले

रोहित कुमार[1] एवं डॉ. अभिनव कुमार[2]
शोध छात्र[1], सहायक प्राध्यापक[2], उद्यान विज्ञान विभाग,
भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान

अधिक उत्पादन देने वाली टिशु कल्चर प्रजातियों विशेषकर ग्रैण्डनैन में रैटून (पैडी) फसल लेना आर्थिक दृष्टिकोण से अधिक लाभकारी है । क्योंकि टिशु कल्चर केला उत्पादन में कुल लागत का लगभग 32–38 प्रतिशत केवल रोपण सामग्री पर खर्चा होता है । इस प्रकार रोपण की लागत को कम करने के लिए केले की पेडी फसल लेना उपयुक्त होता है ।

पेड़ी फसल लेने के लिए यह ध्यान विशेष कि जब पौधे पर 40–50 प्रतिशत पुष्पन हो जायें या रोपण के 8–9 माह बाद पौधे से निकली हुई एक स्वस्थ्य सकर को पेडी फसल हेतु बढने देते है । मुख्य फसल के परिपक्व होने पर घार को काट लेते है तथा पौधे के पर्णीय भाग को काटकर अलग कर देते है । जिससे कि तने पर संचित भोज्य पदार्थ पेड़ी फसल को प्राप्त होता रहें । अप्रैल माह में छोड़ी गयी पेडी सकर को आयु के आधार पर पोषण भी बढ़ा दिया जाता है जिससे कि पौधे की वृद्धि तीव्रता से हो ।

अगस्त –सितम्बर में रोपित टिशु कल्चर पौधे की 13 माह में अगस्त – सितम्बर तक घार की कटाई हो जाती है और अप्रैल माह में छोडी गयी पहली पेडी फसल की कटाई मार्च – अपैल में हो जाती है । यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि यदि पोधे से पुनः (दूसरी बार) पेडी फसल लेना हो तो अप्रैल माह में छोडी गयी पहली पेडी से अगस्त माह में निकलने वाले एक स्वस्थ्य सकर को छोड़ देना चाहिए जिससे कि जुलाई – अगस्त

तक तीसरी फसल प्राप्त हो जाय ।

पुत्तियाँ का निकलना :

मुख्य पौधे के बगल से निकली हुई सकर्स को निकालने का सर्वोत्तम समय वह होता है जब परिपक्व घार को पौधों पर घार लगी है उसी दिशा से पुत्ती को निकाला जाता है । एक तने से यथावश्यक केवल एक या दो पुतती निकालें ज्यादा पुत्तियाँ निकालने से पेडी फसल प्रभावित होती है । रोपण के लिए 500–750 ग्राम वजन का धनकंद प्रयोग करना चाहिए । लगाने से पूर्व घनकंद को एक इंच उपर से तने को कटाकर हटा देना चाहिए तत्पश्चात् प्रति ली 0 पानी में एक ग्राम कार्बेन्डाजिम में डुबोना चाहिए । इससे वर्णचित्ती रोग और घनकंद विविल के नियंत्रण मे सहायता मिलती है । तैयार गढ्ढों में घनकंद को एक इंच मिट्टी के अन्दर दबा दें । सिंचाई जमाव के बाद करनी चाहिए । केला के खेतों में तिलहनी फसलें जैसे मूंगफली, तिल, सरसों, आदि भी उगाए जा सकते है । फूलों में गेंदा एवं ग्लेडियोलस की अन्तःफसल भी लाभदायक है ।

समय	मुख्य फसल	प्रथम पेड़ी	द्वितीय पेड़ी
अगस्त 06	टिशु पौधे	.....	.....
अप्रैल 07	40 प्रतिशत	स्वस्थ्य सकर्स को छोड़ दे	.....
अगस्त 07	घार की कटाई	अगस्त – सितम्बर 07	स्वस्थ्य सकर्स को छोड़ दें
मार्च – अप्रैल 08	.....	घार की कटाई	45 प्रतिशत पुष्पन
जुलाई – अगस्त 08	.....	.....	घार की कटाई